



Penis में प्रशिष्ठ उत्थान exection नहीं हो पारा है जिसते

अपियम्ब स्रवहनं निष्टा स्वापी ट्रांबरपित के कीच करूर के निरु अहेजा है प्रारंग होने ज्या स्वाहंग है कीच करूर का समय होता है भी उस गरह है स्वाहंग ही अपियम्ब स्वाहंग करा जारा है। एसे स्वाहंग है स्वाहंग को किनाउ संस्थार नहीं हो बारों है क्यार प्रताब ही अनाबरमाउ राम से किस्ता बिश्र है। सामा उता पड़ा है।

3. रामोन्याप विद्वार - टक्विका अंकिका अंकिक

क्रिंग्ड विष्ठवा दुर्धिया डिस्प्रवर्ध ares sine dystanction न उप प्रतार है केंग्रें कि कि कि हम कि दिनी/युक्त अपने केंग्रें साथी है सिथ पर अत्यिक दूरणी प्रविति हता है तथा उसके साथ सभी किंग्रें सेवध लें कि दुर्वक्रम के दुव्य सामान्य काएं दम अराएं हैं -अभिक्क - अन्ति दुर्विक्रम का एक क्षारण अभिक्क भी हैं लें नित्र किया की से संवह मम क्या न्विना अवलक के के राज में प्रमाप क्या का में अम्बा न्या का का का का का का का का का क्या का कि के अस्किक का हाम होता है। जो लोग आसीहर क्या कालोन्यना के अह निस्ति उटते हैं उनमें लेंगिंड दुर्विक्रमा अधिक हेली जारी हैं।

- दोषप्रणे पाऊन पोषण दोषप्रणे पाऊन पोषण उमा दिशा भी क्षेत्री दुरिसमा हा एउ हाएग है जिस परिवार में करवा के निर्मा के किया किया के किया किया किया के किया के किया किया किया के क
- 3. प्रारंगित कें तान आधार Early sexual नेम्वपक्तवन जान हैती स्त्री मा प्रमण की एक दी बाए के तात अना का आधार पढ़ें बरा है तो वह मामतिक प्रमण की भीन किया के प्रारंगित माम की अनुभन हरता है क्या कि माम की अनुभन हरता है
- 4. व्याकितिक व्यापालका व्यापालकी निर्धापाल जान स्थाप आकृतिका के अप से कार्म भीन किया में अत्यापाल ही जाता है ने उत्तर विकास के अप के अपना की भीन किया में अत्यापाल ही जाता है ने
- 5. ट्रेंगिर माथी डे उप इन्द Conflict with partner किंग मार्थ हे उप इन्द भी किंगिर इन्द्रिया ही हाए है। इस इन्द हे देई रूप ही सकते हैं में विश्वासाधात. हम या आधार उप विवाद आकर्षण ही हमी अधार मान्या हे उपल इन्द है मिडीर होते ही स्थिति में क्षिणिड़ दुविनुमा उत्पन्त हो मारी है।

TREATMENT के विष द्वारमा है उपनार है किए निम्न किर्तिन निप्रका प्रविधियों के उपयोग किया जारा है। hall-licht ABORT cognitive theraphy - En state मास्थाप से यिद्धेर नमित्र के मन में लगाव्यमं भम , गर्सर धाला तथा इ-4 की दरा दिया आरा है भी है उति निर्वाशिक मतीवृति ही स्टाइए सहारात्मड मनीवृति विकित्ति हर स्या जारा है। यह त्यिकता प्रविशी ह्यी त्या अरूप दोने है किए किए हानी उपनी है। HEINET FABORI - Supportire theraphy- In Author in Whalf was समाम हे जीग पिडीर क्लारि है साथ हर गरह है अभिभान हरियोग देते हैं उसत्र मेने अल्बार्ड हरियोग मिलने से भीन लाबी हे उन्ह अवरोधी में भारी हमी आही है। मनोहरि समारहमड़ बनरी है मय में इसी जारी है जिससे के छात दुरिक्सां इर होरी ही 21/7 EMAN BI ETENDO - CO-operation from Sex Partner - 3182497 3. में स्पष्ट होटा है के श्रीक देखेंगा है पिडिंग स्था भा प्रमण की अब अपने सीन साथी के भीन किया मे पूर्ण सहयोग मिलता है तो किंगेंड दुकिया देविक्रमा स्वतः कमा हो आही है। है। का उपयुक्त निमिन्सा अविधियो है आतिरित्त खुनेल न्योन लाबी समुन्ति न्योन विका, ग्या समुन्ति पारून मेक्य हे आतार पर भ क्षेत्रा हित तर रोग जा स्वरा है।